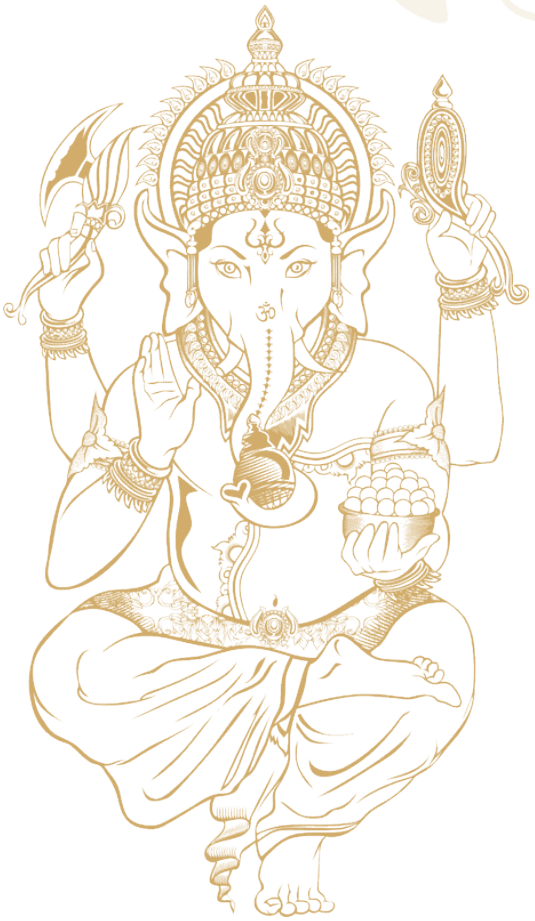

Smrth

16 Mar 2020

11:10 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121822703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/2020**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:10:01 घंटे**
इष्ट	13:01:24 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:20:49 घंटे
वेलान्तर	-00:08:32 घंटे
साम्पातिक काल	22:57:56 घंटे
सूर्योदय	05:57:27 घंटे
सूर्यास्त	17:58:28 घंटे
दिनमान	12:01:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:57:44 मीन
लग्न के अंश	02:36:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:36:31	335:34:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			मीन	01:57:44	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	29:58:48	13:13:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			धनु	25:43:56	00:41:39	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			कुंभ	05:49:09	00:32:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	28:01:36	00:09:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	17:45:49	01:02:34	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
शनि			मक	05:24:00	00:04:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	10:30:20	00:00:02	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:30:20	00:00:02	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:13:25	00:02:52	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:33:11	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:27:40	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	19:01:18	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:05

लग्न-चलित

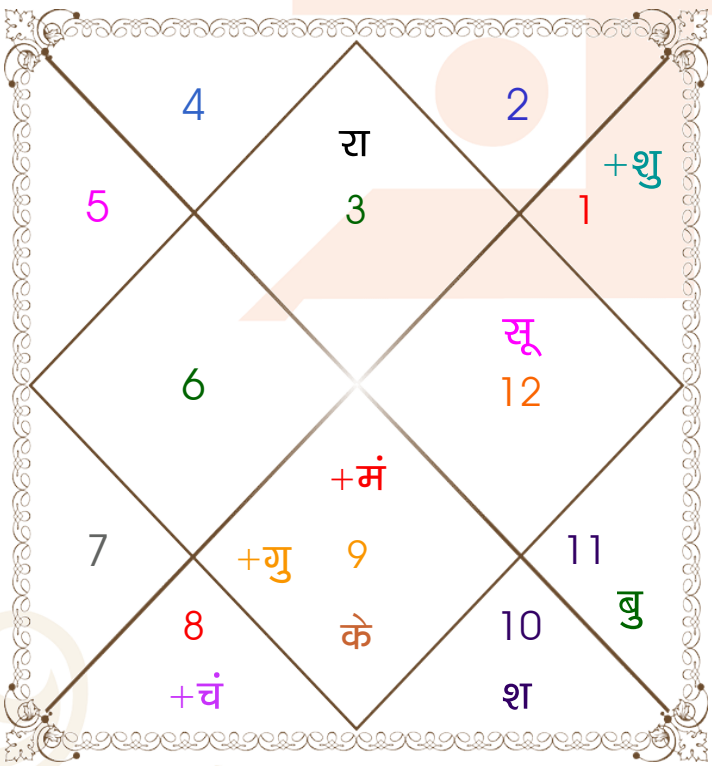

चन्द्र कुंडली

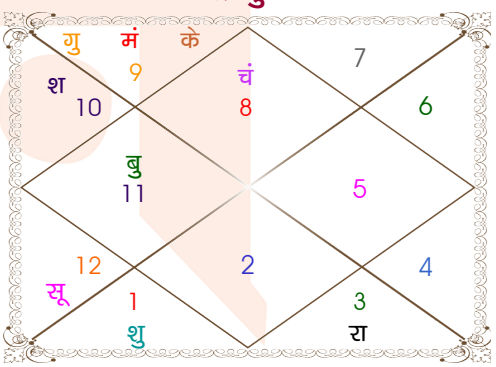

नवमांश कुंडली

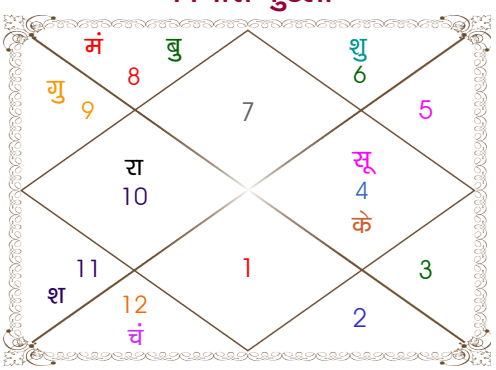

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 0 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/03/2020		25/03/2020		26/03/2027		26/03/2047		25/03/2053	
25/03/2020		26/03/2027		26/03/2047		25/03/2053		26/03/2063	
	00/00/0000	केतु	21/08/2020	शुक्र	25/07/2030	सूर्य	14/07/2047	चंद्र	24/01/2054
	00/00/0000	शुक्र	22/10/2021	सूर्य	26/07/2031	चंद्र	12/01/2048	मंगल	25/08/2054
	00/00/0000	सूर्य	26/02/2022	चंद्र	25/03/2033	मंगल	19/05/2048	राहु	24/02/2056
	00/00/0000	चंद्र	27/09/2022	मंगल	26/05/2034	राहु	13/04/2049	गुरु	25/06/2057
	00/00/0000	मंगल	24/02/2023	राहु	25/05/2037	गुरु	30/01/2050	शनि	24/01/2059
	00/00/0000	राहु	13/03/2024	गुरु	24/01/2040	शनि	12/01/2051	बुध	25/06/2060
	00/00/0000	गुरु	17/02/2025	शनि	26/03/2043	बुध	18/11/2051	केतु	24/01/2061
	16/03/2020	शनि	29/03/2026	बुध	24/01/2046	केतु	25/03/2052	शुक्र	24/09/2062
शनि	25/03/2020	बुध	26/03/2027	केतु	26/03/2047	शुक्र	25/03/2053	सूर्य	26/03/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/03/2063		26/03/2070		25/03/2088		26/03/2104		27/03/2123	
26/03/2070		25/03/2088		26/03/2104		27/03/2123		17/03/2140	
मंगल	22/08/2063	राहु	06/12/2072	गुरु	13/05/2090	शनि	30/03/2107	बुध	23/08/2125
राहु	09/09/2064	गुरु	02/05/2075	शनि	24/11/2092	बुध	07/12/2109	केतु	20/08/2126
गुरु	16/08/2065	शनि	07/03/2078	बुध	02/03/2095	केतु	16/01/2111	शुक्र	20/06/2129
शनि	24/09/2066	बुध	24/09/2080	केतु	06/02/2096	शुक्र	18/03/2114	सूर्य	26/04/2130
बुध	22/09/2067	केतु	12/10/2081	शुक्र	07/10/2098	सूर्य	28/02/2115	चंद्र	26/09/2131
केतु	18/02/2068	शुक्र	12/10/2084	सूर्य	26/07/2099	चंद्र	28/09/2116	मंगल	22/09/2132
शुक्र	19/04/2069	सूर्य	06/09/2085	चंद्र	25/11/2100	मंगल	07/11/2117	राहु	11/04/2135
सूर्य	25/08/2069	चंद्र	08/03/2087	मंगल	01/11/2101	राहु	13/09/2120	गुरु	17/07/2137
चंद्र	26/03/2070	मंगल	25/03/2088	राहु	26/03/2104	गुरु	27/03/2123	शनि	17/03/2140

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।